



कोडेक्स एलिमेंटेरियस कमीशन

स्रोत: इकॉनॉमिक टाइम्स

हाल ही में भारत ने [कोडेक्स एलिमेंटेरियस कमीशन](#) (Codex Alimentarius Commission- CAC) की कार्यकारी समिति के 86वें सत्र में भाग लिया।

कोडेक्स एलिमेंटेरियस कमीशन (CAC) क्या है?

■ परिचय

- CAC एक अंतरराष्ट्रीय खाद्य मानक निकाय है जिसे उपभोक्ता के स्वास्थ्य की रक्षा करने एवं खाद्य व्यापार में उचित प्रथाओं को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मई 1963 में संयुक्त राष्ट्र के [खाद्य और कृषि संगठन](#) (Food and Agriculture Organisation - FAO) तथा [वशिव स्वास्थ्य संगठन](#) (World Health Organisation-WHO) द्वारा संयुक्त रूप से स्थापित किया गया था।

■ मान्यता

- [वशिव व्यापार संगठन](#) (World Trade Organization- WTO) के [स्वच्छता और पादप स्वच्छता उपायों](#) (Sanitary and Phytosanitary Measures- SPS) के अनुप्रयोग पर समझौता अंतरराष्ट्रीय व्यापार तथा व्यापार विवाद नपिटान के लिये संदर्भ मानकों के रूप में कोडेक्स मानकों, दशा-नरिदेशों तथा सफ़िरशियों को मान्यता देता है।

■ सदस्य

- वर्तमान में इस कमीशन में कुल 189 (188 देश और [यूरोपीय संघ](#)) सदस्य हैं।
- भारत वर्ष 1964 में कोडेक्स एलिमेंटेरियस का सदस्य बना।

■ कोडेक्स मानक:

- सामान्य मानक, दशा-नरिदेश और अभ्यास संहिता: ये मुख्य कोडेक्स वषिय आमतौर पर [स्वच्छता अभ्यास](#), [लेबलिंग](#), [संदूषक](#), [योजक](#), [नरीकषण](#) और [प्रमाणन](#), [पोषण](#) तथा [पशु चकितिसा दवाओं](#) एवं [कीटनाशकों](#) के अवशेषों से नपिटते हैं व उत्पादों और उत्पाद श्रेणियों पर कषैतजि रूप से लागू होते हैं।
- [कमोडिटी मानक](#): कोडेक्स कमोडिटी मानक एक [वशिषिट उत्पाद](#) को संदर्भित करते हैं, हालाँकि कोडेक्स अब तेज़ी से खाद्य समूहों के लिये मानक विकसित कर रहा है।
- [कषेत्रीय मानक](#): संबंधित कषेत्रीय समन्वय समितियों द्वारा विकसित मानक, संबंधित कषेत्रों पर लागू होते हैं।

■ CAC की कार्यकारी समिति (CCEXEC) का 86वाँ सत्र:

- भारत, जिसका प्रतिनिधित्व [भारतीय खाद्य संरक्षण एवं मानक प्राधकिरण](#) (FSSAI) के CEO कर रहे हैं, रोम स्थित FAO मुख्यालय में कोडेक्स एलिमेंटेरियस आयोग की कार्यकारी समिति (CCEXEC) के 86वें सत्र में सक्रिय रूप से भाग ले रहा है।
 - CCEXEC नए कार्य के प्रस्तावों की समीक्षा करने तथा मानक विकास की प्रगतिकी नगिरानी करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- सत्र के दौरान भारत ने छोटी इलायची, हल्दी और वेनला सहित [वभिन्न मसालों](#) के लिये मानक विकास को आगे बढ़ाने का पुरज़ोर समर्थन किया।
 - यह पहल भारत के लिये वशिष रूप से महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि भारत इन मसालों का एक प्रमुख उत्पादक और नरियातक है, क्योंकि इससे अंतरराष्ट्रीय व्यापार में सुगमता आएगी
 - भारत ने वनस्पति तेलों के लिये मानकों की प्रगत, [शिगा टॉक्सिन उत्पादन करने वाले एस्चेरिचिया कोलाई](#) (Shiga Toxin-Producing Escherichia Coli) के नयितरण हेतु दशा-नरिदेशों तथा खाद्य उत्पादन और प्रसंस्करण में पानी के सुरक्षित उपयोग और पुनः उपयोग का समर्थन किया।
 - भारत ने खाद्य पैकेजिंग में पुनर्नवीनीकृत सामग्रियों के उपयोग से संबंधित खाद्य सुरक्षा संबंधी विचारों पर [कोडेक्स मार्गदर्शन विकसित करने के प्रस्ताव का भी समर्थन](#) किया।
- यह पहल [जलवायु परिवर्तन](#), पर्यावरण संरक्षण और स्थिरता जैसी वैश्विक चुनौतियों से नपिटने में महत्त्वपूर्ण है।
- भारत ने खाद्य संपर्क अनुप्रयोगों के लिये पोस्ट उपभोक्ता PET (पॉलीइथिलीन टैरेफ्थेलेट) के पुनर्चक्रण पर FSSAI द्वारा विकसित दशा-नरिदेशों के साथ अपने अनुभव साझा किये।

?????? ?????? ??????? ???? ????? ???????????

